

B. A. 6th Semester (General) Examination, 2021

Subject : Sanskrit

Paper : DSE-1B

Time : 3 Hours

Full Marks : 60

The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give the answers in their own words as far as practicable.

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् Group-'A' and Group-'B' इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमतः परीक्षार्थिभिः सावधानतया स्पर्शितं एको विभागो निश्चेतव्यः। ततश्च यथानिर्देशं प्रश्नाः समाधेयाः।

এই প্রশ্নপত্রে Group-'A' and Group-'B' এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবেন।

Group-A

(Maxims in Sanskrit Language)

1. निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नवट्कं समाधेयम्। तेषु द्वितयं सुरगिरा लिख्यताम्। 5×6=30
(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তারমধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।)
- a) व्याख्यायताम्। 5
(व्याख्या करो।)
वरमेको गुणी पुत्रो न च मूर्खतान्यपि।
एकश्चन्द्रस्तमो हस्ति न च तारागणोऽपि च॥
- b) भावसम्प्रसारणं क्रियताम्। 5
(भावसम्प्रसारण करो।)
सर्वस्य लोचनं शास्त्रम्।
- c) मातृभाषयानुवदत। 5
(मातृभाषায় अनुবাদ करो।)
राजा सविनयं पुनरुवाच—
कीटोऽपि सुमनःसद्गदारोहति सतां शिरः।
अश्मापि याति देवतं महद्भिः सुप्रतिष्ठितम्॥

- d) निम्नलिखितेषु पञ्चपदानां सन्निविच्छेदः करणीयः। 5
(निम्नलिखित पदগুলির মধ্যে পাঁচটি পদের সন্নিবিচ্ছেদ করো।)
i) आहार्यत्वादनर्घत्वादक्षयत्वाच्च।
ii) नीतिसुदिह।
iii) एकश्चन्द्रस्तमः।
iv) धनुर्वंशविशुद्धोहपि।
v) सुगतेतासु।
vi) यद्यदिच्छति।
vii) नित्यमुन्मार्गगामিনामनधिगतशास्त्राणामिदानीम्।
- e) 'स भूपतिरेकदा केनापि पठ्यमानं श्लोकद्वयं शुश्राव'—इत्यत्र भूपतिः कः? तेन श्रुतं श्लोकद्वयं लिख्यताम्। 5
1+4=5
(‘स भूपतिरेकदा केनापि पठ्यमानं श्लोकद्वयं शुश्राव’—এখানে ভূপতি কে? তিনি যে শ্লোকদুটি শুনেছিলেন তা লেখো।)
f) अलसजनानामुक्तिः कीदृशी? यथाग्रह्णमालोचयत। 5
(অলসজনদের উক্তি কীরূপ হয় তা ‘হিতোপদেশ’ গ্রন্থানুসরণে আলোচনা করো।)
g) 'तन्मया नीतिं ग्राहयितुं शक्यन्ते' इति वाक्यं केन कथमुक्तम्? 5
(‘তন্ময়া নীতিং গ্রাহয়িতুং শক্যন্তে’ এই বাক্যটি কে কেন বলেছিলেন?)
h) हितोपदेशग्रह्णस्य मङ्गलाचरणे स्तुतः को देवः? तद्देवस्य स्वरूपं लिख्यताम्। हितोपदेशग्रह्णपाठस्य प्रयोजनमुल्लिख्यताम्। 5
1+2+2=5
(‘হিতোপদেশ’গ্রন্থের মঙ্গলাচরণে কোন দেবতার স্তুব করা হয়েছে? ঐ দেবতার স্বরূপ লেখো। হিতোপদেশ গ্রন্থপাঠের প্রয়োজন উল্লেখ করো।)
2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नत्रयस्योत्तरं प्रदेयम्। 10×3=30
(নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)
a) 'एतच्छिस्तयित्वा स राजा पण्डितसभां कारितवान्' इत्यत्र राज्ञा किं चिन्तितम्? कथं सः पण्डितसभां कारितवान्? 8+2=10
(‘এতচ্ছিস্তয়িত্বা স রাজা পণ্ডিতসভাং কারিতবান্’—এখানে রাজা কী চিন্তা করেছিলেন? তিনি কেন পণ্ডিতসভা ডেকেছিলেন?)
b) पाठ्यांशस्य विषयमनुसृत्य सदसंपुत्रविषये एको निबन्धः रचनीयः। 10
(পাঠ্যাংশের বিষয় অনুসরণে সৎ ও অসৎ পুত্রবিষয়ে একটি নিবন্ধ রচনা করো।)

B.A. (S-VI)/G/2021/(CBCS) (Sanskrit)

- c) সংস্কৃতসাহিত্যে হিতোপদেশস্য গুরুত্বমালোচনীয়ম্। 10
(সংস্কৃতসাহিত্যে হিতোপদেশের গুরুত্ব আলোচনা করো।)
- d) হিতোপদেশানুসারং বিদ্যাপ্রশংসা বর্ণনীয়া। 10
(‘হিতোপদেশ’ অনুযায়ী বিদ্যাপ্রশংসার বর্ণনা করো।)
- e) উদ্যমপুরুষকারয়োঃ মহত্ত্বং হিতোপদেশদিশা আলোচনীয়ম্। 10
(‘হিতোপদেশ’ গ্রন্থে অবলম্বনে উদ্যম ও পুরুষকারের মহত্ত্ব আলোচনা করো।)

Group-B

(Literary Criticism)

1. নিম্নলিখিতেষু প্রশ্নেষু প্রশ্নষট্কং সমাধেয়ম্। তেষু দ্বিতয়ং সুরগিরা লিখ্যতাম্। 5×6=30
(নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।)
- a) চরণবিশ্লেষণপূর্বকং ছন্দোনির্ণয়ঃ কর্তব্যঃ। 5
(চরণ বিশ্লেষণ করে ছন্দ নির্ণয় করো।)
ইদং কিলাব্যাজমনোহরং বপুঃ
- b) ‘ছন্দোমঞ্জরী’ কেন প্রণীতা? ছন্দোমঞ্জরীমনুসৃত্য গুরুস্বরূপমালোচ্যতাম্। 1+4=5
(‘ছন্দোমঞ্জরী’ কে রচনা করেছেন? ‘ছন্দোমঞ্জরী’ অনুসরণ করে গুরু অক্ষরের স্বরূপ আলোচনা করো।)
- c) ‘সমমর্ধসমং বৃত্তং বিষমধেতি তৎ ত্রিধা’—ব্যাখ্যায়তাম্। 5
(‘সমমর্ধসমং বৃত্তং বিষমধেতি তৎ ত্রিধা’—ব্যাখ্যা করো।)
- d) টীকা কার্যা— 5
(টীকা লেখো।)
মালিনী
- e) অলংকারঃ নির্ণীয়তাম্। 5
(অলংকার নির্ণয় করো।)
যদি স্যান্মণ্ডলে সক্তমিন্দোরিন্দীবরদ্বয়ম্।
তদোপমীয়তে তস্যা বদনং চারুলোচনম্।।

- f) पार्थक्यं निरूपयताम्। 5
(पार्थक्यं निरूपणं करो।)
उपमा-उत्प्रेक्षा
- g) टीका लिख्यताम्। 5
(टीका लेखो।)
श्लेषः
- h) साहित्यदर्पणस्य कस्याश्चन एकस्याः टीकायाः नाम लिख्यताम्। को वा अस्याः टीकायाः प्रणेता? साहित्यदर्पणानुसारम् अलंकारस्य लक्षणं प्रदेयम्। 1+1+3=5
(साहित्यदर्पणं येकोन एकटी टीकार नाम लेखो। ए टीकार लेखक के? साहित्यदर्पण अनुयायी अलंकारेण संज्ञा दाओ।)
2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नत्रयस्योत्तरं प्रदेयम्। 10×3=30
(निम्नलिखित प्रश्नशुलिर मध्ये तिनटि प्रश्नेर उत्तर दाओ।)
- a) मन्दक्रान्तावशस्त्रविलयोः लक्षणोदाहरणपुरःसरं व्याख्या करणीया। 5+5=10
(मन्दक्रान्ता ओ वशस्त्रविल छन्देर लक्षण ओ उदाहरण व्याख्या करो।)
- b) चरणविश्लेषणपूर्वकं छन्दोनिर्णयः कर्तव्यः। 5+5=10
(चरणविश्लेषण करे छन्द निर्णय करो।)
- i) सैषा श्रुती यत्र विचित्रता त्राम्।
ii) किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।
- c) लौकिकसंस्कृतसाहित्ये 'छन्दोमञ्जरी' ग्रन्थस्य स्थानमालोच्यताम्। 10
(लौकिक संस्कृत साहित्ये 'छन्दोमञ्जरी' ग्रन्थेर स्थान आलोचना करो।)
- d) अर्थान्तरन्यासदृष्टान्तयोः लक्षणोदाहरणपुरःसरम् आलोचना कार्या। 5+5=10
(अर्थान्तरन्यास ओ दृष्टान्त अलंकारेण लक्षण ओ उदाहरण आलोचना करो।)
- e) पार्थक्यं निरूपयताम्। 5+5=10
(पार्थक्यं निरूपणं करो।)
- i) उपमा-रूपकम्।
ii) दृष्टान्त-निदर्शना।